S.S. College, Jehanabad-
B.A.I Psychology (Subsidiary)
Teacher - A.K. Sinha Date - 14.10.2020

Topic - Traits of Personality.

व्यक्तित्व के शील-गुण

व्यक्तित्व के शील-गुण या विशेषताएँ प्रायः अलग-अलग व्यक्तियों में अलग-अलग प्रकार के दिखाई पड़ते हैं तथा इन शील-गुणों की मात्रा में भी अन्तर देखा जाता है, कहने का तात्पर्य है कि व्यक्ति के व्यक्तित्व में शील-गुणों के आधार पर व्यक्ति भिन्नता पाई जाती है।

व्यक्तित्व के शील-गुण व्यक्ति के बाह्य के व्यवहारों की ऐसी स्थिर विशेषता है जो विभिन्न प्रकार की परिस्थितियों में प्रगट होती है। आमतौर पर लोग किसी व्यक्ति को ईमानदार या बेईमान, किसी को भावुक तो किसी को जिद्दी आदि कह देते हैं। ये सभी शब्द विशेषण हैं जो व्यक्ति के किसी खास विशेषता को दर्शाता है, यही विशेषताओं को Traits of Personality या व्यक्तित्व के शील-गुण कहा जाता है। Allport & Odbert को अंग्रेजी भाषा में लगभग 18000 शब्द ऐसे मिले जिनके द्वारा व्यक्ति के विशेषताओं अथवा शील-गुणों को व्यक्त किया जाता है। यदि किसी व्यक्ति में कोई विशेषता है तो इसका मतलब यह नहीं है कि वह उसमें पूर्ण है बल्कि इसका अर्थ यह है कि दूसरों की अपेक्षा उसमें अधिक है। इसका मतलब यह हुआ कि व्यक्ति में किसी खास शील-गुणों की अधिकता के कारण उस व्यक्ति को उस शील-गुण वाले व्यक्ति के रूप में संबोधित किया जाता है। Allport की भी यह मान्यता है कि प्रत्येक व्यक्ति में बड़ी संख्या में शील-गुण होते हैं तथा प्रत्येक शील-गुण अथवा विशेषताएँ विभिन्न मात्रा में होते हैं और इनका संगठन भी एक निश्चित प्रकार का होता है।

व्यक्तित्व के शील-गुणों को इस प्रकार भी परिभाषित किया जा सकता है:- "A Personality trait is defined as a Person's generalised and dependable way of behaving in a given situation."

शेष - पृष्ठ-2 पर

कहने का तात्पर्य है कि किसी खास परिस्थिति में व्यक्ति की सामान्यतः प्रकृत एवं निरंतरतापूर्वक व्यवहार करने के ढंग को शील-गुण की विशेषता से निरूपित किया जाता है।

व्यक्तित्व के शील गुणों के बारे में अनेक मनोवैज्ञानिकों अलग-अलग विचारों द्वारा अध्ययन करने का प्रयास किया जाता है। इनमें Allport, Levin, Cattell, Horn, Eysenck, आदि का नाम उल्लेखनीय है।

Allport ने व्यक्तित्व के अध्ययन में भाव-सूचक पक्षों पर अधिक बल देता है। ये व्यक्तित्व के अध्ययन में, Case study तथा अन्य सूत्रों से व्यक्ति सम्बन्धित प्राप्त सूचनाओं के आधार पर, लोगों की प्रतिष्ठा तथा गरिमा पर अधिक जोर डाला है। इसी लिए इनकी खोज विशेषरूप से व्यक्ति के विवेक, गूढ़ अभिप्रेरक और धार्मिक चेतनाओं के क्षेत्र में होती थी। अतः व्यक्तित्व को समझने के लिए वे लोगों के जीवन लक्ष्य एवं भावी योजनाओं की उपेक्षा करते थे।

Levin द्वारा व्यक्ति के शील-गुणों के दो वर्ग निश्चित किया गया - जीनाकृतिक (Genotypical) तथा दृश्याकृतिक (Phenotypical)। कुछ शील-गुण व्यक्ति के बाह्य अथवा प्रकट रूप का बोध कराते हैं जिन्हें दृश्याकृतिक (Phenotypical) कहा जाता है जबकि कुछ शील-गुण व्यक्ति के व्यवहारों को उत्पन्न करने वाले अभिप्रेरक, दबाव आदि पर बल देते हैं, उन्हें जीनाकृतिक (Genotypical) शील-गुण कहा जाता है। Levin के अनुसार व्यक्ति के शील-गुणों पर व्यक्ति के (Genotypical) जीनाकृतिक का अधिक प्रभाव पड़ता है। Allport ने भी Levin के विचारों से प्रभावित होकर अपने विचारों में कुछ संशोधन किया जिसे 1961 में "Pattern and Growth in Personality" नामक पुस्तक में प्रकाशित किया।

शेष पृष्ठ-3 और

Cattell ने Allport के प्रमुख शीलगुणों यथा- Introversion, Dogmatism & Self-reliance वाले शील-गुणों की लम्बी सूची को सीमित कर केवल 171 शीलगुणों को स्वीकार किया जिसे बाद में 35 शीलगुणों के गुच्छों में बाँटा और अन्ततः कारक-विश्लेषण कर यह निष्कर्ष निकाला कि 12 कारणों (factors) के आधार पर भी सभी शील गुणों की व्याख्या हो सकती है। बाद में उन्होंने इन कारकों (Factors) की संख्या बढ़ाकर कभी 13 कभी 16 तथा कभी 20 कर दिया है। इनमें से प्रत्येक कारक व्यक्तित्व की एक द्विध्रुवीय विमा (Bipolar dimension) के रूप में है, जिसे इन्होंने उद्गमात्मक शील गुण (Source trait) माना।

Cattell को Life Data के आधार पर व्यक्तित्व के 15 घटक मिले। जब Questionaire Data (Q. Data) के आधार पर इन घटकों की संपुष्टि का प्रयास किया गया और हजारों प्रश्नों द्वारा व्यक्ति के बड़े समूहों को मापा गया तो व्यक्तित्व के 16 घटक मिले। इसी आधार पर Cattell ने व्यक्तित्व मापने के लिए 16PF Inventory नामक व्यक्तित्व परीक्षण अविष्कारिका का निर्माण किया जो काफी प्रसिद्ध हुआ और प्रचलित है। इसके अनुसार व्यक्तित्व से सम्बन्धित निम्न लिखित 16 शील-गुणों की जाँच या परीक्षण किया जाता है:—

(i) Reserved-outgoing (ii) भावुक-स्थिर (Emotional-stable) संयमी-प्रतिक्रियाशील

(iii) विनीत-आग्रही (Humble-Assertive) (iv) गम्भीर-निश्चिंत (Sober-Happy go-Lucky) (v) स्वार्थसाधक-कर्तव्यनिष्ठ (Expedient-Conscientious) (vi) संकोची-साहसी (Shy-Venturesome) (vii) आस्थावादी-संदेही (Trusting-Suspicious) (viii) व्यवहारिक-कल्पनाशील (Practical-Imaginative) (ix) शिथिल-उत्तेजित (Relaxed-Tense) (x) रूढ़िवादी-प्रयोगवादी (Conservative-Experimenting) (xi) कम बुद्धि-अधिक बुद्धि (Less intelligent-More Intelligent)

शेष पृष्ठ-4 पर

(XII) कोमल - कठोर (Tenderminded-Toughminded)

(XIII) स्पष्टवादी - चतुर (Straight forword - Shrewd)

(XIV) परावलम्बी - स्वावलम्बी (Groupdependent-Self sufficient)

(XV) अनुशासन हीन - नियंत्रित (Undisciplined-Controlled)

(XVI) आत्मविश्वस्त - आशंकित (Self assured-Apprehensive)

— 0 —